वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2017 - 2018

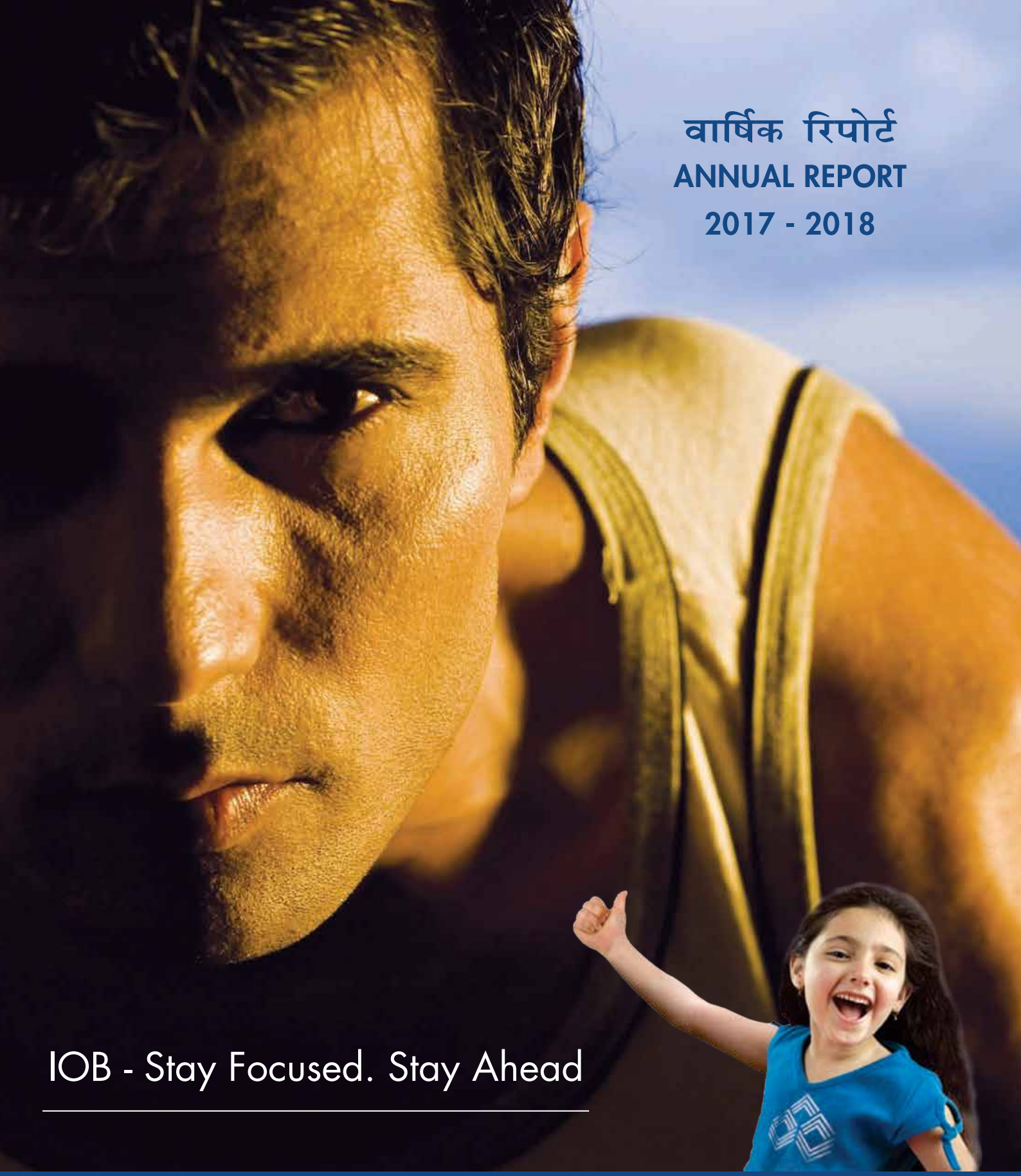

IOB - Stay Focused. Stay Ahead

www.iob.in

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank
(A Government of India undertaking)
आपकी प्रगति का सच्चा साथी
Good people to grow with

Touching Hearts
Spreading Smiles

Products for Prosperity

IOB GHARONDA

IOB SURAKSHA Accidental Death Coverage

Clean Loan

IOB PUSHPAKA Vehicle Loan

IOB PERSONAL LOAN

IOB Royal

Loan against property

IOB Corporate Salary Account

IOB SUBHA GRUHA Housing Loan

Vidya Suraksha

Jewel Loan

Vidya Jyothi Educational Loan

www.iob.in

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

Indian Overseas Bank

(A Government of India undertaking)

आपकी प्रगति का सच्चा साथी

Good people to grow with

Touching Hearts Spreading Smiles

Toll free: 1800 425 0000 (24 X 7)

Website: www.iob.in

E-mail: info@iobnet.co.in

/IOBIndia | @iobindia | IOB YouTube

Central Office Address:

763 Anna Salai, Chennai - 600002. Phone : +91-44-2852 4212

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
Indian Overseas Bank

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री टी. सी. ए. रंगनाथन
गैर-कार्यकारी अध्यक्ष
Shri. T C A Ranganathan
Non-Executive Chairman

श्री आर. सुब्रमण्यकुमार
एमडी व सीईओ
Shri. R. Subramaniakumar
Managing Director & CEO

श्री के. स्वामिनाथन
कार्यपालक निदेशक
Shri. K. Swaminathan
Executive Director

श्री अजय कुमार श्रीवास्तव
कार्यपालक निदेशक
Shri Ajay Kumar Srivastava
Executive Director

सुश्री ऐनी जॉर्ज मैथ्यु
सरकारी नामिती निदेशक
Ms. Annie George Mathew
Government Nominee Director

श्री निर्मल चंद
भा.रि.बै. नामिती निदेशक
Shri.Nirmal Chand
RBI Nominee Director

श्री के. रघु
सनदी लेखाकार प्रवर्ग के तहत अंशकालिक गैर-आधिकारिक निदेशक
Shri. K Raghu
Part-time Non- official Director under Chartered Accountant Category

श्री विष्णुकुमार बंसल
अपर निदेशक
Shri. Vishnukumar Bansal
Additional Director

श्री संजय रूंगटा
शेयरधारक निदेशक
Shri. Sanjay Rungta
Shareholder Director

श्री नवीन प्रकाश सिन्हा
शेयरधारक निदेशक
Shri Navin Prakash Sinha
Shareholder Director

शिवरामन अनंत नारायण
अंश-कालिक गैर-आधिकारिक निदेशक
Sivaraman Anant Narayan
Part-time Non- official Director

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केन्द्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

वार्षिक रिपोर्ट – 2017-18

निदेशक मंडल (दिनांक 31 मार्च 2018 तक)

श्री टी सी ए रंगनाथन
गैर – कार्यपालक अध्यक्ष

श्री आर सुब्रमण्यकुमार
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

श्री के स्वामिनाथन
कार्यपालक निदेशक

श्री अजय कुमार श्रीवास्तव
कार्यपालक निदेशक

कुमारी ऐनी जार्ज मैथ्यू
सरकार नॉमिती निदेशक

श्री निर्मल चंद
भारिबै नॉमिती निदेशक

श्री के रघु
सनदी लेखाकार प्रवर्ग के तहत अंश-कॉलिक गैर , अधिकारिक निदेशक

श्री विष्णु कुमार बंसल
अतिरिक्त निदेशक

श्री संजय रूंगटा
शेयरधारक निदेशक (दिनांक 08.12.2017 से प्रभावी)

श्री नवीन प्रकाश सिन्हा
शेयरधारक निदेशक (दिनांक 08.12.2017 से प्रभावी)

श्री शिवरामन अनंत नारायण
अंश-कॉलिक गैर आधिकारिक निदेशक (दिनांक 27.12.2017 से प्रभावी)

श्री सी हरिदास
महा प्रबंधक एवं मंडल सचिव

Indian Overseas Bank

Central Office: 763, Anna Salai, Chennai-600 002

ANNUAL REPORT 2017-18

BOARD OF DIRECTORS (as on 31.03.2018)

Shri T C A Ranganathan
Non-Executive Chairman

Shri R Subramaniakumar
Managing Director & CEO

Shri K Swaminathan
Executive Director

Shri Ajay Kumar Srivastava
Executive Director

Ms. Annie George Mathew
Government Nominee Director

Shri Nirmal Chand
RBI Nominee Director

Shri K Raghu
Part-time Non-Official Director under Chartered Accountant Category

Shri Vishnukumar Bansal
Additional Director

Shri Sanjay Rungta
Shareholder Director (w.e.f. 08.12.2017)

Shri Navin Prakash Sinha
Shareholder Director (w.e.f. 08.12.2017)

Shri Sivaraman Anant Narayan
Part-time Non-Official Director (w.e.f. 27.12.2017)

Shri C Haridas
General Manager & Board Secretary

लेखाकार	AUDITORS
1. हरिभक्ति एंड कंपनी एलएलपी, मुम्बई	1. M/s. Haribhakti & Co. LLP, Mumbai
2. तलाटी एंड तलाटी, अहमदाबाद	2. M/s. Talati & Talati, Ahmedabad
3. आर सुब्रमणियन एंड कंपनी एलएलपी, चेन्नै	3. M/s. R Subramanian and Company LLP, Chennai
4. एस ए आर सी एंड ऐशोसिएट्स, नई दिल्ली	4. M/s. S A R C & Associates, New Delhi

पंजीयक एवं शेयर अंतरण एजेंट

मेसर्स मेसर्स केमियो कॉर्पोरेट सिर्वसेज़ लि.
(यूनिट - इण्डियन ओवरसीज़ बैंक)
सुब्रमणियन बिल्डिंग
पांचवां तल, नं. 1 – क्लब हाउस रोड,
चेन्नै – 600 002
दूरभाष : 044-28460390 (छः लाइनें)
044-284600395
फैक्स - 044 – 28460129
ई मेल : cameo@cameoindia.com

Registrar & Share Transfer Agent

M/s. Cameo Corporate Services Ltd
(Unit-IOB)
Subramanian Building
V Floor, No.1 Club House Road
Chennai-600 002.
Tel: 044-28460390 (Six Lines)
044-28460395
Fax:044-28460129
e-mail : cameo@cameoindia.com

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक

केंद्रीय कार्यालय : 763, अण्णा सालै, चेन्नै - 600 002

वार्षिक रिपोर्ट 2017-18

विषय वस्तु	पृष्ठ सं.
एक झलक में	3
प्रबंध निदेशक व सी ई ओ की डेस्क से	4
शेयरधारकों को सूचना	16
निदेशकों की रिपोर्ट	32
प्रबंधन विचार-विमर्श और विश्लेषण	36
वर्ष 2017-18 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट	74
कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र	113
वार्षिक लेखे	114
नकदी प्रवाह विवरण	116
स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	194
अतिरिक्त प्रकटीकरण	198
व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट - 2017 - 18	260
इण्डियन ओवरसीज़ बैंक लाभांश वितरण नीति	284

(यदि इस वार्षिक रिपोर्ट के हिन्दी रुपांतरण में कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी रुपांतरण सही माना जाएगा)

Indian Overseas Bank

Central Office: 763, Anna Salai, Chennai-600 002

ANNUAL REPORT 2017-18

Contents	Page No.
At a Glance	3
From the Managing Director & CEO's Desk	4
Notice to the Shareholder	16
Directors' Report	33
Management Discussion and Analysis	37
Report of the Board of Directors on Corporate Governance for the year 2017-18	75
Auditors' Certificate on Corporate Governance	113
Annual Accounts	114
Cash Flow Statement	116
Independent Auditors' Report	195
Additional Disclosure	199
Business Responsibility Report 2017-18	261
IOB Dividend Distribution Policy	285

(In this Annual Report, in case of any discrepancy found in Hindi Version, English Version will prevail)

वित्तीय कैलेंडर

1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018 तक के वित्तीय वर्ष के लिए

बही खाता बंदी तिथि	04.07.2018 (बुधवार) से दिनांक 11.07.2018 (बुधवार) तक
वार्षिक रिपोर्ट की पोस्टिंग	13.06.2018 (बुधवार) से 16.06.2018 (शनिवार) तक
परोक्षी फार्म की प्राप्ति की अंतिम तिथि	06.07.2018 (शुक्रवार), सांय 5:00 बजे
वार्षिक आम बैठक का दिनांक	11.07.2018 (बुधवार), प्रात: 10.00
लाभांश की घोषणा	शून्य

Financial Calendar

For the Financial Year 1st April, 2017 to 31st March, 2018

Book Closure Dates:	04.07.2018 (Wednesday) to 11.07.2018 (Wednesday)
Posting of Annual Report	13.06.2018 (Wednesday) to 16.06.2018 (Saturday)
Last Date of receipt of Proxy Form	06.07.2018 (Friday), 5.00 p.m.
Date of AGM	11.07.2018 (Wednesday), 10.00 a.m.
Declaration of Dividend	Nil

एक नज़र में

(रु. करोड़ में)

	मार्च-18	मार्च-17	मार्च -16	मार्च-15	मार्च-14
कुल कारोबार	3,67,831	3,68,119	3,97,241	4,25,090	4,09,057
वैश्विक जमाएं	2,16,832	2,11,343	2,24,514	2,46,049	2,27,976
घरेलू जमाएँ	2,10,388	2,05,154	2,18,556	2,39,819	2,19,731
घरेलू सकल अग्रिम	1,38,516	1,42,651	1,55,429	1,62,838	1,61,992
वैश्विक निवल अग्रिम	1,32,489	1,40,459	1,60,861	1,71,756	1,75,888
प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	70,040**	63,984**	67,615*	63,635*	58,090*
कृषि ऋण	29,851**	29,348**	30,237*	29,236*	26,254*
निवल निवेश	68,646	71,654	79,189	79,298	70,237
ब्याज आय	17,915	19,719	23,517	23,938	22,684
गैर ब्याज आय	3,746	3,373	2,528	2,139	2,169
परिचालनात्मक व्यय	5,585	4,912	5,025	4,200	3,749
सकल लाभ	3,629	3,650	2,885	3,322	3,997
निवल लाभ / निवल हानि	-6,299	-3,417	-2,897	-454	602
इक्विटी शेयर पूँजी	4,890.77	2,454.73	1,807.27	1,235.35	1,235.35
सकल एनपीए (%)	25.28	22.39	17.40	8.33	4.98
निवल एनपीए (%)	15.33	13.99	11.89	5.68	3.20
पूँजी पर्याप्तता अनुपात (%)	9.25	10.50	9.66	10.11	10.78

- 31 मार्च तक बकाया
- प्राथमिकता क्षेत्र से संबंधित भारिबैं के परिशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार वर्ष 2016-17 के चार तिमाहियों के औसत निष्पादन की गणना प्राथमिकता क्षेत्र लक्ष्यों और उपलक्ष्यों की प्राप्ति से होगी।

At a Glance

(₹ in Crore)

	Mar-18	Mar-17	Mar-16	Mar-15	Mar-14
Total Business	3,67,831	3,68,119	3,97,241	4,25,090	4,09,057
Global Deposits	2,16,832	2,11,343	2,24,514	2,46,049	2,27,976
Domestic Deposits	2,10,388	2,05,154	2,18,556	2,39,819	2,19,731
Domestic Gross Advances	1,38,516	1,42,651	1,55,429	1,62,838	1,61,992
Global Net Advances	1,32,489	1,40,459	1,60,861	1,71,756	1,75,888
Priority Sector Advances	70,040**	63,984**	67,615*	63,635*	58,090*
Agricultural Credit	29,851**	29,348**	30,237*	29,236*	26,254*
Net Investments	68,646	71,654	79,189	79,298	70,237
Interest Income	17,915	19,719	23,517	23,938	22,684
Non Interest Income	3,746	3,373	2,528	2,139	2,169
Operating Expenses	5,585	4,912	5,025	4,200	3,749
Gross Profit	3,629	3,650	2,885	3,322	3,997
Net Profit/Net Loss	-6,299	-3,417	-2,897	-454	602
Equity Share Capital	4,890.77	2,454.73	1,807.27	1,235.35	1,235.35
Gross NPA (%)	25.28	22.39	17.40	8.33	4.98
Net NPA (%)	15.33	13.99	11.89	5.68	3.20
Capital Adequacy Ratio (%)	9.25	10.50	9.66	10.11	10.78

* Outstanding as on 31st March

** As per revised priority sector guidelines of RBI, from the FY 2016-17 the average performance of four quarters will be reckoned towards achievement under Priority Sector targets and other sub targets.

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक - केन्द्रीय कार्यालय चेन्नै

INDIAN OVERSEAS BANK - CENTRAL OFFICE CHENNAI

प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी से पत्र

Letter from Managing Director & Chief Executive Officer

श्री आर सुब्रमण्यकुमार, प्रबन्ध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Shri.R. Subramaniakumar, Managing Director & Chief Executive Officer

प्रिय शेयरधारकों,

वर्ष 2017-18 के लिए मुझे आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों को प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है। मैं वर्ष के दौरान बैंक के निष्पादन संबंधी मुख्य पहलुओं के साथ-साथ आगे बढ़ते बैंक के लिए आउटलुक को भी आपके साथ शेयर करना चाहता हूँ।

आर्थिक परिवेश

वर्ष 2016-17 में जीडीपी की विकास दर जहाँ 7.1% थी, वहीं उसके तुलना में 2017-18 में यह 6.7% रही। 2016-17 के दौरान कृषि क्षेत्र का विकास जहाँ 6.3% था, वह इसकी तुलना में 3.4% घट गया है। बरसात में कमी और उसके सभी क्षेत्रों में असमतल फैलाव के चलते ऐसा हुआ है। पिछले साल निर्माण क्षेत्र जहाँ 7.9% बढ़ा, वहीं संबंधित अवधि में यह 5.5% ही बढ़ पाया। यह ह्रास 2017-18 की प्रथम तिमाही में फीके निष्पादन के कारण हुआ है, क्योंकि जीएसटी के अमल में आ जाने से उत्पादनकर्ताओं/ निर्माणकर्ताओं ने डी-स्टॉकिंग गतिविधियों को अंजाम दिया। फिर भी, इस क्षेत्र में अंतिम 3 तिमाहियों के दौरान सुधार देखा गया, क्योंकि जीएसटी के अमल में आने से जो दिक्कतें आईं थीं, वह दूर होती गईं, इसलिए री-स्टॉकिंग गतिविधियों ने जगह ले ली। 2017-18 के दौरान अर्थव्यवस्था में संवर्धन सेवा क्षेत्र द्वारा हुआ, जो 2016-17 के 7.5% की वृद्धि की तुलना में 7.9% बढ़ा। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में सकल नियत पूँजी सृजन (जीएफ़सीएफ़) 2015-16 से ही 28.5% पर ही स्थिर है। फिर भी, निवेश दर में तीसरी तिमाही और चौथी तिमाही में सुधार हुआ, जो कि क्रमश: 28.2% और 29.1% रही। इसी बीच 2017 में विश्व बैंक के "ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नस" से संबंधित रैंक में भारत देश 30 स्थान ऊपर चढ़ते हुए 100वें नंबर पर पहुँच गया, जो कराधान, लाइसेंसिंग, निवेशक सुरक्षा और दिवालिया समाधान में सुधारों के ज़रिए अर्थव्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के सरकार के प्रयासों की पहचान है।

भारत में बैंकिंग परिवेश

बैंकिंग क्षेत्र खराब ऋणों और भारी प्रावधानों के बोझ तले दबा हुआ है। 31.03.2018 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का सकल एनपीए रु.895592 करोड़ रहा, जोकि 31.03.2017 को यह रु.619199 करोड़ था। इसी अवधि के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की प्रावधान राशि और आकस्मिकताएँ 57 प्रतिशत बढ़ती हुई रु.149808 करोड़ से रु.235508 करोड़ हो गई। इसलिए पिछले साल रिपोर्ट किए गए रु.472 करोड़ के निवल लाभ की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा रु.85362 करोड़ की राशि निवल हानि के रूप में रिपोर्ट की गई। उच्च अनर्जक आस्तियों और आस्तियों पर नकारात्मक

Dear Shareholders,

I have pleasure in presenting your Bank's Annual Report and financial statements for the year 2017-18. I would like to share with you the performance highlights of the Bank during the year as well as the outlook for the Bank going forward.

Economic Environment

GDP grew at 6.7% in 2017-18 compared to 7.1% growth in 2016-17. Agriculture sector grew at 3.4% lower than 6.3% during 2016-17. This is due to deficient monsoon along with uneven spread across regions. The manufacturing sector grew at 5.5% as against the growth of 7.9% in the previous year. The decline in growth was due to lacklustre performance in the first quarter of 2017-18 when the producers undertook destocking activities with the implementation of the GST. However, the sector witnessed improvement in the last 3 quarters after the restocking activities were undertaken following waning of disruptions post implementation of the GST. During 2017-18, the economy was driven by service sector with growth of 7.9% compared to 7.5% in 2016-17. The gross fixed capital formation(GFCF) as a % of GDP is stagnant at 28.5% since 2015-16. However, there has been an improvement in Q3 (28.2%) and Q4 (29.1%) in the investment rate. Meanwhile, India rose 30 places in the World Bank's Ease of Doing Business ranking in 2017 to rank 100th in recognition of the Government's efforts to streamline the economy through reforms in taxation, licensing, investor protection and bankruptcy resolution and is poised to improve further.

Banking Environment in India

Banking sector is reeling under bad loans and heavy provision burden. As on 31.3.2018 PSBs reported GNPA of Rs.895592 crore as against Rs.619199 crore as on 31.3.2017. For the same period the provisions and contingencies of the PSBs increased by 57 percent from Rs.149808 crore to Rs.235508 crore. As such the net loss reported by PSBs amounted to Rs.85362 crore as against the reported net profit of Rs.472 crore during the last year. More than half of the public sector banks are under the Prompt Corrective Action

प्रतिलाभ (आरओएएस) के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के आधे से ज़्यादा बैंक प्रॉम्प्ट करेक्टिव ऐक्शन (पीसीए) के तहत आ गए हैं। फिर भी, पीसीए का उद्देश्य है कि बैंकों के लिए टर्न-अराउंड योजना तैयार करने में उनकी मदद की जाए। कृषि उधार, एमएसएमई व रिटेल पोर्टफोलियो के लिए निधियों का प्रमुख स्रोत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ही रहेंगे।

आस्ति गुणवत्ता और प्रावधानीकरण के संबंध में हमारा बैंक भी बैंकिंग उद्योग में पाई गई प्रवृत्ति से दो-चार हो रहा है। दबावग्रस्त आस्ति फ्रेमवर्क विषयक नए विनियामक दिशानिर्देशों के कारण ही प्रमुख रूप से एनपीए पर दबाव बना हुआ है। कॉर्पोरेट एनपीए की पहचान के साथ ही उसके मूल्य को हासिल करने का समय आना निश्चित है। हमारा बैंक आने वाले वर्षों में "रिटेल, कृषि और एमएसएमई-केन्द्रित बैंक" बना रहेगा।

आर्थिक दृष्टिकोण (आउटलुक)

ओईसीडी अनुमानों के अनुसार वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए क्रमश: 7.4 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत के वास्तविक जीडीपी विकास के साथ विश्व की तीव्रतम गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था के रूप में भारत द्वारा अपना स्टेटस बनाये रखा जाना अपेक्षित है। विमुद्रीकरण और जीएसटी के अस्थायी नकारात्मक प्रभावों के पश्चात अर्थव्यवस्था दुबारा पटरी पर आ रही है। नैशनल काउंसिल फॉर एपलाइड इकॉनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के अनुसार जीएसटी के विस्तृत रूप से अमल में आ जाने से 0.9 प्रतिशत से 1.7 प्रतिशत की रेंज में भारत के जीडीपी को लाभ मिलेगा। फिर भी, अर्थव्यवस्था बैंकिंग प्रणाली की अनर्जक आस्तियों, समुन्नत बॉण्ड आय, संवर्धित कारोबार सुरक्षा तंत्र, बढ़े हुए वैश्विक तेल मूल्यों और मुद्रा ह्रास जैसी बाधाओं से दो-चार हो रही है। उच्च तेल मूल्यों को एक अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए ताकि बहिर्जात बाधाओं का समाधान करते हुए घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके।

आइओबी की तुलना में बैंकिंग क्षेत्र के लिए आउटलुक

इनसॉल्वेन्सी एण्ड बैंक्रप्टसी कोड (आइबीसी) के तहत एनपीए समाधानों के कारण बैंकिंग क्षेत्र में पुनरुत्थान अपेक्षित है, जिससे बैंकों के लिए पूँजी रिलीज़ होने की संभावना है। 2017-18 की चौथी तिमाही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा रिपोर्ट की गई हानियाँ मुख्य रूप से खराब ऋणों की पहचान में बढ़ोत्तरी के कारण हैं, जोकि दबावग्रस्त आस्तियों पर आरबीआइ के संशोधित फ्रेमवर्क के अनुसार है। फिर भी, सकारात्मक पहलू यह है कि बैंकिंग क्षेत्र खराब ऋणों की विरासत की संपूर्ण पहचान के बहुत करीब पहुँच गया है और प्रावधानिक कवरेज अनुपात में सुधार देखा गया है। बैंकों द्वारा आस्तियों की एनपीए के रूप में पहचान से निकट भविष्य में लाभप्रदता घट जाएगी, लेकिन सुदीर्घावधि में यह लाभ प्रदान करेगी और तुलन-पत्रों का शुद्धीकरण बैंकिंग क्षेत्र के लिए क्रेडिट पॉज़िटिव रहेगा।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए सामान्य तौर पर आउटलुक के परिप्रेक्ष्य में, हमारा बैंक एनपीए घटाने और अपनी टर्न-अराउंड रणनीति के विभिन्न पक्षों पर ध्यान केन्द्रित करेगा ताकि दक्षता और उत्पादकता में सुधार ला सके। बैंक अपने बुनियादी तत्वों में सुधार लाने के प्रति अग्रसर है और वित्तीय वर्ष 2019 में सशक्त नतीजों को बैंक दर्ज करेगा।

➢ **कारोबार और वित्तीय निष्पादन की विशेषताएँ-2017-18**

- निवियों की लागत कम करने और एक स्थिर जमा प्रोफाइल स्थापित करने के उद्देश्य से उच्च लागत की जमाओं और एकमुश्त जमाओं को कम करने तथा रिटेल सावधि जमाओं को बढ़ाने के लिए बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के फलस्वरूप बैंक की कुल जमाएँ 31 मार्च 2018 तक रु.2,16,832 करोड़ रहीं, जबकि 31 मार्च 2017 को यह रु.2,11,343 करोड़ थी।

(PCA) framework, due to high non-performing assets and negative return on assets (ROA). However, PCA is meant to help design a turnaround plan for banks. PSBs will continue to be a major source of funds for agriculture lending, MSME and Retail Portfolio.

Our Bank is also witnessing the trend observed in the banking industry in terms of asset quality and provisioning. The stress of NPA is mainly due to new regulatory guidelines on stressed asset framework. With recognition of Corporate NPA, the time to unlock value is imminent. Our Bank will remain a "Retail, Agriculture and MSME-focused bank" in the coming years also.

Economic Outlook

India is expected to maintain its status as the world's fastest growing economy with the real GDP growth at 7.4 per cent and 7.5 per cent for 2018-19 and 2019-20 as per OECD estimates. Economy is rebounding after the transitory negative impacts of demonetization and GST. As per National Council for Applied Economic Research (NCAER), implementation of a comprehensive GST would provide gains to India's GDP in the range of 0.9 to 1.7 per cent. However, the economy is facing a number of headwinds like non-performing assets of the banking system, elevated bond yields, increased trade protectionism, elevated global oil prices and currency depreciation. High oil prices need to be taken as an opportunity to boost domestic production by addressing exogenous bottlenecks.

Outlook for Banking Sector vis-à-vis IOB

Revival in banking sector is expected due to NPA resolutions under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) which in turn is expected to release capital for the banks. The losses reported by PSBs in Q4 of 2017-18 were mainly on account of acceleration of bad loan recognition in terms of RBI's revised framework on stressed assets. However, the positives are that the banking sector is moving close to full recognition of legacy of bad loans and there is an improvement in provision coverage ratio. The asset recognition as NPA by banks will reduce profitability in the near term but produce benefits over the longer term and cleaning the balance sheets will be credit positive for the banking sector.

In the light of the outlook for the Banking Sector in general, our Bank will be focusing on NPA reduction and on various aspects of its Turnaround strategy so as to improve efficiency and productivity. Bank is poised to improve the fundamentals and post strong results in FY19.

➢ **Business and Financial Performance Highlights – 2017-18**

- Total deposits stood at Rs. 2,16,832 crore as on 31st March 2018 as against Rs. 2,11,343 crore as on 31st March 2017, by reducing high cost deposits and bulk deposits and increasing retail term deposits with a view to reduce the cost of funds and have a stable deposit profile.

- 31 मार्च 2017 के रु.1,56,776 करोड़ के सकल अग्रिमों की तुलना में 31 मार्च 2018 तक सकल अग्रिम रु.1,50,999 करोड़ रहे। बैंक ने कुल घरेलू अग्रिमों के रैम (रीटेल, अग्रिम व एमएसएमई) शेयर से अपना क्रेडिट पोटफोलियो री-बैलेंस किया है और 31.03.2017 के 58.74% की तुलना में 31.03.2018 तक 66.14% को संवर्धित किया है।
- 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए जहाँ बैंक का परिचालनगत लाभ रु.3650.20 करोड़ था, वहीं 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए यह रु.3629.08 करोड़ रहा।
- 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए जहाँ निवल हानि रु.3416.74 करोड़ थी, वहीं 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए यह रु.6299.49 करोड़ हो गई, इसलिए कि दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान विषयक संशोधित फ्रेमवर्क पर आरबीआइ के दिशानिर्देशों के अनुक्रम में उच्चतम प्रावधानों सहित वर्ष के दौरान किए गए रु.9928.58 करोड़ के प्रावधानों के कारण ऐसा हुआ।
- 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए जहाँ कुल आय रु.23091 करोड़ थी, वहीं कम ट्रेशरी आय व क्रेडिट के संकुचन के कारण 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए यह रु.21662 करोड़ रही और तत्संबंधी अवधियों के लिए ब्याज आय की राशि क्रमश: रु.19719 करोड़ और रु.17915 करोड़ रही। गैर ब्याजगत आय पिछले साल जहाँ रु.3373 करोड़ थी, वहीं संबर्धित होके यह 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए रु.3746 करोड़ रही।
- 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए जहाँ कुल खर्च रु.19441 करोड़ था, वहीं यह घटकर 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए रु.18033 करोड़ हो गया।
- 31 मार्च 2017 तक जहाँ सकल एनपीए 22.39% के अनुपात के साथ रु.35098 करोड़ था, वहीं यह 31 मार्च 2018 तक 25.28% के अनुपात के साथ रु.38180 करोड़ रहा, जहाँ रु.3629 करोड़ की दबावग्रस्त आस्ति के संशोधित फ्रेमवर्क के कारण नये स्लिप्पेजों के शामिल होने से यह राशि बढ़ी।
- 31.03.2017 तक निवल एनपीए जहाँ 13.99% के अनुपात के साथ रु.19749 करोड़ था, वहीं यह 31.03.2018 तक 15.33% के अनुपात के साथ रु.20,400 करोड़ हो गया।
- वसूली फ्रण्ट पर बैंक का निष्पादन काफी अच्छा रहा और उसने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए जहाँ रु.8710 करोड़ वसूल किये थे, वहीं वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए रु.15496 करोड़ वसूल किये।
- 31 मार्च 2017 तक के 36.09% की तुलना में बैंक ने अपना कासा अनुपात 31.03.2018 तक 36.75% को संवर्धित किया।
- बैंक का कोर रिटेल (आावास ऋण, वाहन ऋण, बेज़मानती ऋण, शिक्षा ऋण, बंधक ऋण) पोर्टफोलियो वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 26.26% बढ़ गया।
- प्रावधानिक कवरेज अनुपात 31.03.2018 तक 59.45% बढ़ गया, जबकि पिछले साल यह 53.63% था।
- 31.03.2018 तक लागत व आय का अनुपात 60.61% रहा।
- 31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए एनआइएम 2.19% पर रहा।
- 31.03.2017 को समाप्त वर्ष के लिए जमा की औसत लागत जहाँ

- Gross Advances stood at Rs.1,50,999 crore as on 31st March 2018, as against Rs.1,56,776 crore as on 31st March 2017. The Bank has consciously rebalanced its credit portfolio with RAM's (Retail, Agri and MSME) share of total domestic advances improving from 58.74% as on 31.03.2017 to 66.14% as on 31.03.2018.
- Operating Profit of the Bank is Rs. 3629.08 crore for the year ended 31.03.2018 as against Rs. 3650.20 crore for the year ended 31.03.2017.
- Net Loss for the year ended 31.03.2018 is Rs. 6299.49 crore as against Rs. 3416.74 crore for the year ended 31.03.2017 mainly due to provisions of Rs. 9928.58 crore made during the year including higher provisions on account of RBI guidelines on revised framework on Resolution of Stressed Assets.
- While Total Income for the year ended 31.03.2018 is Rs. 21662 crore as against Rs. 23091 crore for the year ended 31.03.2017 on account of less treasury income and contraction of credit and Interest Income stood at Rs. 17915 crore as against Rs. 19719 crore for the corresponding periods, Non Interest Income improved to Rs. 3746 crore for the year ended 31.03.2018 as against Rs. 3373 crore for the previous year.
- Total Expenditure declined from Rs. 19441 crore for the year ended 31.03.2017 to Rs. 18033 crore for the year ended 31.03.2018.
- Gross NPA as at 31st March 2018 is at Rs. 38180 crore with ratio of 25.28% as against Rs. 35098 crore with ratio of 22.39% as on 31st March 2017 with fresh slippage due to revised framework of stressed asset of Rs. 3629 crore.
- Net NPA is Rs.20,400 crore with ratio of 15.33% on 31.03.2018 as against Rs. 19,749 crore with ratio at 13.99% as on 31.03.2017.
- On the Recovery front, the Bank has performed well by clocking recovery of around Rs. 15496 crore for FY 2017-18 as against Rs. 8710 crore for FY 2016-17.
- The Bank was able to improve CASA ratio to 36.75% as on 31.03.2018 as against 36.09% as on 31st March 2017.
- Core Retail (Housing Loans, Vehicle Loans, Clean Loans, Education Loans, Mortgage Loans) of the Bank has shown y-o-y growth of 26.26%.
- Provision Coverage Ratio has improved to 59.45% as on 31.03.2018 from 53.63% a year back.
- Cost to Income Ratio is 60.61% as on 31.03.2018.
- NIM stood at 2.19% for the year ended 31.03.2018.
- Average Cost of Deposit is 5.49% for the year ended